This question paper contains 12 printed pages. **Your Roll No. ....**

Sl. No. of Ques. Paper : **1853** **GC-3**

Unique Paper Code : **52411101**

Name of Paper : **Financial Accounting**

Name of Course : **B.Com. (Prog.) CBCS**

Semester : **I**

Duration : **3 Hours (Part A : 2½ Hrs., Part B : 30 Minutes)**

Maximum Marks : **75 (Part A : 55 Marks, Part B : 20 Marks)**

(Write your Roll No. on the immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

NOTE :– *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिये; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. *This question paper has two Parts. Part A is compulsory for all the examinees. Part B is meant only for those examinees who have not offered Computerized Accounts.*
2. *Part A and Part B are to be answered on separate Answer Books.*
3. *Attempt **all** questions. Show your working notes clearly.*

परीक्षार्थियों के लिये निर्देश:

1. *इस प्रश्न पत्र के दो भाग हैं। भाग A सभी परीक्षार्थियों के लिए अनिवार्य है। भाग B केवल उन परीक्षार्थियों के लिए है जिन्होंने कम्प्यूटरीकृत लेखांकन का विकल्प नहीं लिया है।*
2. *भाग A तथा भाग B दोनों को पृथक उत्तर पुस्तिकाओं में करें।*
3. ***सभी** प्रश्न हल कीजिये। अपना परिकलन स्पष्ट रूप से दर्शाइए।*

PART A

(भाग अ)

1. State with reasons whether the following statements are true or false:

   (i) Goodwill is a fictitious asset.

   (ii) Wages paid for the erection of the machinery are debited to the profit and loss account.

   (iii) In gold mining, revenue is recognised in the accounting period in which the gold is mined.

   कारण सहित बताइये कि अधोलिखित कथन सत्य हैं अथवा असत्यः

   (i) साख एक अवास्तविक सम्पत्ति है।

   (ii) मशीनरी को स्थापित करने के लिए दी गई मजदूरी को लाभ एवं हानि खाते में डेबिट किया जाता है।

(iii) स्वर्ण खनन के सन्दर्भ में, राजस्व उस लेखांकन अवधि में अर्जित माना जाता है जिसमें स्वर्ण का खनन किया गया है। 3

2. (a) Write short notes on any *two* of the following:

(i) Money measurement concept

(ii) Convention of conservatism

(iii) Users of accounting information.

निम्न में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:

(i) मौद्रिक मापन की अवधारणा

(ii) रूढ़िवादिता की परिपाटी

(iii) लेखांकन जानकारी के प्रयोगकर्ता। 4×2

(b) What are International Financial Reporting Standards (IFRS)? How are Indian Accounting Standards (IASs) different from IFRS?

अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग मानक (IFRS) से आप क्या समझते हैं? भारतीय लेखांकन मानक (IASs), अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग मानकों से किस प्रकार भिन्न हैं? 5

Or (अथवा)

(c) From the following Trial Balance and additional information, prepare Trading and Profit & Loss Account of Mridul Traders for the year ended 31st March, 2015 and Balance Sheet as at that date:

Particulars	*Debit Balance (Rs.)*	*Credit Balance (Rs.)*
Capital		2,20,000
Plant and Machinery	1,60,000	–
Purchases and Sales	84,000	1,65,000
Returns	5,000	4,000
Bad debts / Bad debts recovered	5,000	26,450
Carriage inwards	5,000	–
Carriage outwards	7,000	–
Discount	2,000	1,000
Drawings	10,000	–
Rent	9,500	10,000
Office and Administrative Expenses	16,000	–
Debtors & Creditors	2,25,000	2,07,600
Opening Stock	53,000	–
Cash in hand	50,550	–
Bank Overdraft	–	20,000
Wages and Salaries	22,000	–
	6,54,050	6,54,050

Additional Information:

(i) Closing Stock on 31st March, 2015 was valued at Rs. 80,000 cost. However, its market value was Rs. 61,500.

(ii) Provide for depreciation on Plant & Machinery @10% p.a.

(iii) Wages and salaries have been paid for eleven months only.

(iv) Rent received includes Rs. 500 received in advance.

(v) Goods worth Rs. 10,000 were sent to a customer on approval basis and have been accounted in the books as actual sales. These goods remained unapproved on 31st March, 2015. The cost of such goods was Rs. 8,000.

दिए गए परीक्षण तालिका तथा अतिरिक्त जानकारी के आधार पर 31 मार्च, 2015 को समाप्य वर्ष के लिए मृदुल ट्रेडर्स का व्यापार तथा लाभ-हानि खाता तैयार कीजिए तथा उसी तिथि का तुलन-पत्र भी तैयार कीजिये:

विवरण	डेबिट (रु०)	क्रेडिट (रु०)
पूंजी		2,20,000
प्लांट एवं मशीनरी	1,60,000	–
क्रय तथा विक्रय	84,000	1,65,000
वापसी	5,000	4,000
डूबत देनदार	5,000	
डूबत ऋण प्राप्ति		26,450
आवक पर भाड़ा व्यय	5,000	–
जावक पर भाड़ा व्यय	7,000	–
छूट	2,000	1,000
आहरण	10,000	
किराया	9,500	10,000
कार्यालय तथा प्रशासनिक व्यय	16,000	–
देनदार तथा लेनदार	2,25,000	2,07,600
आरम्भिक स्टॉक	53,000	–
दस्ती रोकड़	50,550	–
बैंक ओवरड्राफ्ट	–	20,000
मज़दूरी तथा वेतन	22,000	–
	6,54,050	6,54,050

अतिरिक्त जानकारी:

(i) 31 मार्च, 2015 को स्टॉक का लागत मूल्य रु० 80,000 था जबकि उसका बाजार मूल्य रु० 61,500 था।

(ii) प्लांट तथा मशीनरी पर 10% वार्षिक की दर से मूल्यह्रास लगाइये।

(iii) मज़दूरी तथा वेतन केवल ग्यारह माह के लिये दिए गए हैं।

(iv) प्राप्त किराए में रु० 500 अग्रिम प्राप्त राशि सम्मिलित है।

(v) रु० 10,000 मूल्य का माल एक ग्राहक को अनुमोदन पर बिक्री के आधार पर भेजा गया है लेकिन उसे पुस्तकों में वास्तविक विक्रय ही रिकॉर्ड कर लिया गया। 31 मार्च, 2015 तक उस माल का अनुमोदन स्वीकार नहीं हुआ था। उस माल का लागत मूल्य रु० 8,000 था। 13

2. (a) Distinguish between Straight line method and Written down value method of depreciation.
हास की समान हास विधि तथा घटते शेष पर हास विधि में अन्तर स्पष्ट कीजिये। 5

(b) From the following data, prepare the stores ledger account as per the Perpetual Inventory System and calculate the value of closing inventory on March 31, 2015 using:

(i) Last-In-First-Out method; and

(ii) Weighted Average Cost method.

March 1 Opening Stock	400 units @ Rs. 7.50 each
Purchase	
March 5	600 units @ Rs. 8.00 each
March 15	500 units @ Rs. 9.00 each
March 21	400 units @ Rs. 8.50 each
Issues	
March 3	300 units
March 10	500 units
March 17	400 units

दिये गये डेटा से, सतत इनवेन्टरी पद्धति के अनुसार स्टोर लैजर खाता बनाइये तथा 31 मार्च, 2015 को निम्न विधियों द्वारा अन्तिम इनवेन्टरी का मूल्य ज्ञात कीजिये:

(i) प्रथम आवक प्रथम जावक (FIFO) विधि

(ii) भारित औसत लागत विधि।

1 मार्च आरम्भिक स्टॉक	400 इकाई @ रु० 7.50 प्रति इकाई
खरीदे–	
5 मार्च	600 इकाई @ रु० 8 प्रति इकाई
15 मार्च	500 इकाई @ रु० 9 प्रति इकाई
21 मार्च	400 इकाई @ रु० 8.50 प्रति इकाई
जारी किए–	
3 मार्च	300 इकाई
10 मार्च	500 इकाई
17 मार्च	400 इकाई

8

Or (अथवा)

(c) The following is the Receipts and Payments Account of Divya Charitable Hospital for the year ended 31st March, 2015:

Receipts	*Rs.*	*Payments*	*Rs.*
Balance b/d	70,000	Payment for medicines	3,00,000
Subscriptions	5,00,000	Honorarium to doctors	1,00,000
Donations	1,45,000	Salaries	2,75,000
Interest on investments @ 7% per annum for the year	70,000	Sundry expenses	5,000
		Equipment purchased	1,50,000
		Charity show expenses	10,000
Charity show collections	1,00,000	Balance c/d	45,000
	8,85,000		8,85,000

Additional information:

	On 1-4-2014 (Rs.)	*On 31-3-2015 (Rs.)*
Subscription due	5,000	10,000
Subscriptions received in advance	10,000	5,000
Stock of medicines	1,00,000	1,50,000
Creditors for medicines	80,000	1,20,000
Equipments	2,10,000	3,00,000
Buildings	4,00,000	3,80,000

You are required to prepare income and expenditure account for the year ended 31st March, 2015 and balance sheet as at that date.

31 मार्च, 2015 को समाप्य वर्ष के लिए दिव्या धर्मार्थ अस्पताल का प्राप्ति तथा भुगतान खाता दिया गया है:

प्राप्तियां	**रु०**	**भुगतान**	**रु०**
शेष, आगे लाया गया	70,000	दवाइयों के लिए भुगतान	3,00,000
अंशदान	5,00,000	डॉक्टर्स का मानदेय	1,00,000
दान	1,45,000	वेतन	2,75,000
निवेश पर ब्याज @ 7% वार्षिक की दर से पूरे वर्ष के लिए	70,000	विभिन्न व्यय	5,000
		उपकरणों की खरीद	1,50,000
		चैरिटी शो के खर्चे	10,000
चैरिटी शो से प्राप्ति	1,00,000	शेष, आगे ले जाया गया	45,000
	8,85,000		8,85,000

P.T.O.

अतिरिक्त जानकारी:

विवरण	1-4-2014 (रु०)	31-3-2015 (रु०)
प्राप्य अंशदान	5,000	10,000
अग्रिम प्राप्त अंशदान	10,000	5,000
दवाइयों का स्टॉक	1,00,000	1,50,000
दवाइयों के लिए लेनदार	80,000	1,20,000
उपकरण	2,10,000	3,00,000
भवन	4,00,000	3,80,000

31 मार्च, 2015 को समाप्य वर्ष के लिए आय तथा व्यय खाता तैयार कीजिए तथा उस तिथि को अस्पताल का तुलन-पत्र भी बनाइए। 13

4. (a) Akshat purchased four second-hand cars on hire-purchase system on 1 April, 2012. Cash price was Rs. 52,500 each. The hire-purchase price for all the four cars was Rs. 2,40,000. The payment to be made was Rs. 60,000 on signing the agreement and three annual instalments of Rs. 60,000 each beginning from 31st March, 2013. Akshat charges depreciation @ 10% p.a. on straight line method.

Akshat paid the down payment and first instalment but could not pay the second instalment. The vendor, after negotiations, took back three cars. These cars were taken back after depreciating them @ 20% p.a. on written down value method. One car was left with the purchaser.

The vendor spent Rs. 3,600 on repairs and sold two of these cars for Rs. 80,000. Show the following ledger accounts:

(i) Cars Account and Hire-Vendor Account in the books of Akshat.

(ii) Akshat's Account and Goods Repossessed Account in the books of Hire-Vendor.

01 अप्रैल, 2012 को अक्षत ने किराया-क्रय पद्धति से चार पुरानी कारें खरीदीं। प्रत्येक कार का नगद मूल्य रु० 52,500 था। किराया-क्रय मूल्य (HP Price) (सभी कारों का) रु० 2,40,000 था। भुगतान की शर्तें थीं– रु० 60,000 समझौते पर हस्ताक्षर करते समय तथा 31 मार्च, 2013 से आरम्भ रु० 60,000 प्रति किश्त की दर से तीन वार्षिक किश्तें। अक्षत, सीधी-रेखा विधि से, 10% वार्षिक की दर से, मूल्यह्रास लगाता है।

अक्षत ने समझौता राशि तथा प्रथम किश्त का भुगतान समय पर कर दिया किन्तु दूसरी किश्त नहीं दे पाया। मोल-भाव के बाद विक्रेता ने तीन कारें जब्त कर लीं। इन कारों को, घटते शेष पर, 20% वार्षिक ह्रास लगाकर वापस लिया गया जबकि एक कार को क्रेता के पास छोड़ दिया।

विक्रेता ने मरम्मत के लिए रु० 3,600 खर्च किए तथा उनमें से दो कारों को रु० 80,000 में बेच दिया। आगे बताए गए लैजर खाते तैयार कीजिये:

(i) कार खाता तथा किराया-क्रय विक्रेता का खाता, अक्षत की पुस्तकों में, तथा

(ii) किराया-क्रय विक्रेता की पुस्तकों में, अक्षत का खाता तथा माल जब्ती खाता भी दर्शाइये। 13

Or (अथवा)

(b) Akhil and Barkha entered into a Joint Venture sharing profits equally. Akhil purchased goods for Rs. 2,25,000 and paid cash for the same. He drew a bill on Barkha for Rs. 1,00,000 for 2 months and discounted it @ 18% p.a. The following transactions took place:

(i) Akhil spent Rs. 4,800 for conveyance; Rs. 6,000 for carriage and Rs. 2,000 for travelling expenses.

(ii) Barkha spent Rs. 3,000 for travelling expenses and Rs. 1,500 for miscellaneous expenses.

(iii) Akhil sold part of the goods for Rs. 1,80,000 and Barkha sold part of goods for Rs. 1,10,000.

(iv) Goods costing Rs. 6,000 and Rs. 4,000 were taken up by Akhil and Barkha respectively, at 20% above the cost.

(v) Barkha was to be allowed Rs. 4,500 as rent for her godown having been used for Joint Venture purposes.

(vi) Akhil was allowed a salary of Rs. 5,000 per month for three months.

(vii) Discount on bill of exchange is to be treated as the expense of the Joint Venture.

Assuming that each party records its own transactions, prepare the following accounts:

(i) Memorandum Joint Venture Account

(ii) Joint Venture with Barkha Account in the books of Akhil.

(iii) Joint Venture with Akhil Account in the books of Barkha.

अखिल तथा बरखा, जो समान अनुपात में लाभ-हानि बांटते हैं, ने संयुक्त उद्यम आरम्भ किया। अखिल ने रु० 2,25,000 का माल खरीदा तथा उसका नगद भुगतान भी कर दिया। अखिल ने बरखा पर दो माह की अवधि का रु० 1,00,000 का विनिमय बिल लिखा। इस बिल को अखिल ने, 18% वार्षिक की दर से भुना लिया। इस सम्बन्ध में निम्न लेनदेन हुए:

(i) अखिल ने यातायात पर रु० 4,800, भाड़े पर रु० 6,000 तथा भ्रमण व्यय पर रु० 2,000 खर्च किए।

(ii) बरखा ने भ्रमण व्यय रु० 3,000 तथा विविध व्यय रु० 1,500 खर्च किए।

(iii) अखिल ने माल का कुछ भाग रु० 1,80,000 में तथा बरखा ने माल का कुछ भाग रु० 1,10,000 में बेच दिया।

(iv) अखिल तथा बरखा ने क्रमशः रु० 6,000 तथा रु० 4,000 लागत मूल्य का माल लागत से 20% अधिक मूल्य पर ले लिया।

(v) बरखा को उसके गोदाम का किराया रु० 4,500 देना तय हुआ क्योंकि गोदाम संयुक्त उद्यम के लिये प्रयुक्त हुआ था।

(vi) अखिल को तीन माह तक रु० 5,000 प्रति माह की दर से वेतन दिया जाना है।

(vii) विनिमय बिल को भुनाने की छूट को संयुक्त उद्यम का खर्चा माना जाएगा।

यह मानते हुए कि हर पार्टी अपने लेन-देन रिकॉर्ड करती है, निम्न खाते बनाइयेः
(i) अनुस्मारक (memorandum) संयुक्त उद्यम खाता
(ii) अखिल की पुस्तकों में 'बरखा के साथ संयुक्त उद्यम खाता' तथा
(iii) बरखा की पुस्तकों में 'अखिल के साथ संयुक्त उद्यम खाता'। 13

5. (a) Radhika & Brothers, Delhi has a branch at Chennai. Goods are invoiced to the branch at 20% profit on invoice price. The branch has been instructed to send all cash daily to the head office. All expenses are paid by the head office except petty expenses which are met by the branch manager. From the following particulars, prepare Chennai Branch Account, Branch Debtors Account and Branch Petty Cash Account:

Balances as on April 1, 2014 :	Rs.		Rs.
Branch Stock (Invoice price)	1,50,000	Credit sales at branch	3,00,000
Branch Debtors	90,000	Cash sales at branch	5,00,000
Branch Petty Cash	4,000	Cash received from debtors at branch	3,00,000
Office Furniture	12,000		
Balances as on March 31, 2015		Discount allowed	3,000
Branch Stock (Invoice price)	1,40,000	Expenses paid by the Head office: Rent 12,000	
Rent outstanding	5,000	Salaries 24,000	
		Stationery 3,000	39,000
		Petty expenses paid by the branch manager	2,800

Transactions during 2014-15:

Goods invoiced to branch	8,00,000
Goods returned by branch to Head Office	10,000
Goods returned by Debtors	4,800

Provide depreciation on furniture @ 10%.

राधिका एण्ड ब्रदर्स, दिल्ली की चेन्नैई में एक शाखा है। शाखा को माल बीजक मूल्य पर 20% लाभ के मूल्य पर भेजा जाता है। शाखा को निर्देश है कि प्रतिदिन का रोकड़ प्रधान कार्यालय को भेज दिया जाए। फुटकर खर्चों, जिनका भुगतान शाखा प्रबन्धक करता है, के अतिरिक्त सभी खर्चों का भुगतान प्रधान कार्यालय से होता है। निम्न ब्यौरे के आधार पर चेनैई शाखा खाता, शाखा देनदार खाता तथा फुटकर रोकड़ खाता बनाइयेः

1 अप्रैल, 2014 को शेष	रु०		रु०
शाखा स्टॉक (बीजक मूल्य)	1,50,000	शाखा में उधार बिक्री	3,00,000
शाखा देनदार	90,000	शाखा में नगद बिक्री	5,00,000
शाखा फुटकर रोकड़	4,000	शाखा में देनदारों से प्राप्त रोकड़	3,00,000
ऑफिस फर्नीचर	12,000	छूट दी	3,000

31 मार्च, 2015 को शेषः		प्रधान कार्यालय द्वारा भुगतानः		
शाखा स्टॉक (बीजक मूल्य)	1,40,000	किराया	12,000	
देय किराया	5,000	वेतन	24,000	
		स्टेशनरी	3,000	39,000
		फुटकर व्ययों का भुगतान, शाखा प्रबन्धक द्वारा		2,800

वर्ष 2014-15 में लेन-देनः

शाखा को बीजक मूल्य पर माल भेजा	8,00,000
शाखा ने हैड ऑफिस को माल वापस भेजा	10,000
देनदारों ने वापस भेजा माल	4,800

फर्नीचर पर 10% की दर से मूल्यह्रास लगाइये। 13

Or (अथवा)

(b) Explain the accounting treatment of normal and abnormal loss of stock in branch accounting under the stock and debtors method.

शाखा लेखांकन में, 'स्टॉक एण्ड डेटर' विधि से, स्टॉक की सामान्य क्षति तथा असामान्य क्षति को कैसे सम्बोधित किया जाता है? 5

(c) Sukanya of Tamilnadu consigned 300 bicycles at Rs. 2,000 per bicycle to Somnath of Kolkata, paying freight Rs. 4,000 and other expenses Rs. 2,000. Somnath sold 250 bicycles at Rs. 2,500 per bicycle on credit and 50 bicycles at Rs. 2,200 per bicycle on cash basis. Somnath spent for freight and octroi Rs. 3,000 and other expenses Rs. 1,000. Somnath remitted the amount due to Sukanya, after deducting his commission @ 5% (normal), 2½% (overriding), and ½% del credere (del credere commission is to be given on total sales). Somnath found that one customer to whom credit of 40 days was allowed paid only Rs. 4,800 out of the total amount of Rs. 5,000 due from him in full settlement of account. Other customers paid the amount on due dates. Prepare Consignment Account and Somnath's Account in the books of Sukanya.

तमिलनाडु की सुकन्या ने कोलकाता के सोमनाथ को रु० 2,000 प्रति इकाई की दर से 300 बाइसिकल प्रेषित कीं तथा रु० 4,000 भाड़ा तथा रु० 2,000 अन्य खर्चों के लिये भुगतान किया। सोमनाथ ने 250 साइकिल रु० 2,500 प्रति साइकिल की दर से उधार बेचीं तथा 50 साइकिल रु० 2,200 प्रति साइकिल नगद बेचीं। सोमनाथ ने भाड़े तथा चुंगी के लिये रु० 3,000 और अन्य खर्चों के लिये रु० 1,000 खर्च किए। सोमनाथ ने अपनी कमीशन @ 5% (सामान्य), 2½% (अधिभावी) तथा ½% डेल क्रेडर (डेल क्रेडर कमीशन सकल बिक्री पर दी जाएगी) काटकर बाकी देय राशि सुकन्या को भेज दी। सोमनाथ को ज्ञात हुआ कि एक ग्राहक जिसे 40 दिन के उधार पर माल बेचा था, केल देय राशि रु० 5,000 के लिये पूर्ण निपटान में केवल रु० 4,800 दे पाया। शेष ग्राहकों ने देय राशि का नियत समय पर भुगतान कर दिया। सुकन्या की पुस्तकों में प्रेषण खाता तथा सोमनाथ का खाता बनाइये। 8

PART B
(भाग ब)

6\. (a) A, B and C sharing profits in the ratio 2:2:1 agreed upon dissolution of their partnership on 31st March, 2015 on which date their balance sheet was as under:

Liabilities		*Rs.*	*Assets*		*Rs.*
A's Capital A/c		40,000	Fixed Assets	2,00,000	
			Less : Provision for Depreciation	1,50,000	50,000
B's Capital A/c		30,000	Joint Life Policy (at surrender value)		10,000
Reserve Fund		10,000	Stock		8,000
Profit and Loss Account		10,000	Investments		9,000
Sundry Creditors	19,000		Sundry Debtors	10,000	
Less : Provision for Discount	500	18,500	Less : Provision for Bad Debt	500	9,500
Salaries outstanding		7,000	C's Capital A/c		2,000
Investment Fluctuation Fund		1,500	Cash at Bank		28,500
		1,17,000			1,17,000

Investments were taken over by A at Rs. 6,000. Sundry Creditors of Rs. 10,000 were taken over by B who has agreed to settle account with them at Rs. 9,900; remaining creditors were paid at Rs. 7,500. Joint Life Policy was surrendered and fixed assets realized Rs. 70,000. Stock and Sundry Debtors realized Rs. 7,000 and Rs. 9,000 respectively. The firm has to pay 3,000 for an outstanding bill not recorded in the books. An unrecorded asset realised Rs. 5,000.

B took over the responsibility of completing dissolution. He is granted salary of Rs. 400 per month and he is to bear realisation expenses. Actual realisation expenses amounted to Rs. 1,100; paid by B on his own. Dissolution was completed and final payments were made on 31st July, 2015.

You are required to prepare following ledger accounts in the books of the firm : Realisation Account, Partner's Capital Accounts and Bank Account.

A, B तथा C साझेदार हैं तथा 2:2:1 के अनुपात में लाभ-हानि वहन करते हैं। 31 मार्च, 2015 को उन्होंने साझेदारी भंग करने का निर्णय लिया। उस दिन उनका तुलन-पत्र इस प्रकार था:

देयताएं		रु०	सम्पत्तियां		रु०
A की पूंजी		40,000	स्थाई सम्पत्तियां	2,00,000	
B की पूंजी		30,000	घटाएं : मूल्यह्रास के लिये प्रावधान	1,50,000	50,000
रिजर्व फण्ड		10,000	संयुक्त जीवन पोलिसी (समर्पण मूल्य पर)		10,000
			स्टॉक		8,000
लाभ एवं हानि खाता		10,000	निवेश		9,000
विभिन्न लेनदार	19,000		विभिन्न देनदार	10,000	
घटाएं : छूट के लिये प्रावधान	500	18,500	घटाएं : डूबत ऋण के लिए प्रावधान	500	9,500
देय वेतन		7,000	C का पूंजी खाता		2,000
निवेश में उतार चढ़ाव फण्ड		1,500	बैंक में रोकड़		28,500
		1,17,000			1,17,000

निवेश रु० 6,000 मूल्य पर A ने ले लिये। रु० 10,000 के विभिन्न लेनदार को B ने ले लिया तथा उनके साथ रु० 9,900 में सौदा कर लिया। शेष लेनदारों को रु० 7,500 भुगतान किया गया। संयुक्त जीवन पॉलिसी को समर्पित कर दिया गया तथा स्थाई सम्पत्तियों से रु० 70,000 वसूल हुए। स्टॉक तथा विभिन्न देनदारों से क्रमशः रु० 7,000 तथा रु० 9,000 वसूल हुए। फर्म को रु० 3,000 ऐसे देने होंगे जो एक बिल के सम्बन्ध में देय थे और पुस्तकों में भी रिकार्ड नहीं किया गया था। एक रिकॉर्ड न की गई सम्पत्ति से रु० 5,000 वसूल हुए।

B ने भंग करने की पूरी प्रक्रिया सम्पन्न करने की जिम्मेदारी ली जिसके लिए उसे रु० 400 प्रति माह वेतन दिया जाएगा किन्तु वसूली के सभी खर्चे उसे ही वहन करने होंगे। वसूली का वास्तविक खर्च रु० 1,100 हुआ तथा उसका B ने अपने-आप से भुगतान किया। भंग होने की प्रक्रिया सम्पन्न हुई तथा अन्तिम भुगतान 31 जुलाई, 2015 को कर दिया गया।

आपसे, फर्म की पुस्तकों में, निम्न खाते बनाना अपेक्षित है– वसूली खाता, साझेदारों के पूंजी खाते तथा बैंक खाता। 15

(b) Distinguish between dissolution of partnership and dissolution of partnership firm.

साझेदारी की समाप्ति तथा साझेदारी फर्म को भंग करने में अन्तर्भेद कीजिये। 5

Or (अथवा)

(b) X, Y and Z are partners sharing profits and losses in the ratio of 4:3:2. Their balance sheet as on 31-3-2015 was as follows:

Liabilities		*Rs.*	*Assets*		*Rs.*
Sundry Creditors		20,000	Bank balance		2,000
Bank Overdraft (Secured against stock)		15,000	Debtors	18,000	
			Less : Provision for doubtful debts	1,000	17,000
Loan (Against the mortgage of machinery)		25,000	Stock		25,000
Capitals:			Machinery		40,000
X	20,000		Profit and Loss Account		9,000
Y	10,000				
Z	3,000	33,000			
		93,000			93,000

The firm was dissolved on that date. Stock was taken over by the banker and it realized Rs. 20,000. Bank paid back Rs. 4,000 after recovering its overdraft and interest due thereon. Machinery was disposed off for Rs. 24,000 and debtors realized Rs. 14,000 only. Loan was fully paid off along with interest due Rs. 1,000. Creditors were discharged at 10% discount. Expenses amounted to Rs. 300 which were paid by X. Z became insolvent and only Rs. 950 could be recovered from his private assets.

Prepare Realisation Account, Partner's Capital Accounts and Bank Account. Apply Garner *vs* Murray.

X, Y तथा Z साझेदार हैं तथा 4:3:2 के अनुपात में लाभ-हानि वहन करते हैं। 31-3-2015 को उनका तुलन पत्र नीचे दिया गया है:

देयताएं		रु०	सम्पत्तियां		रु०
विभिन्न लेनदार		20,000	बैंक बैलेन्स		2,000
बैंक ओवरड्राफ्ट (स्टॉक के विपरीत संरक्षित)		15,000	देनदार	18,000	
ऋण (जिसके लिए मशीनरी गिरवी रहेगी)		25,000	घटायें : संदिग्ध देनदारों के लिए	1,000	17,000
पूंजी खाते:	रु०		स्टॉक		25,000
X	20,000		मशीनरी		40,000
Y	10,000		लाभ-हानि खाता		9,000
Z	3,000	33,000			
		93,000			93,000

उपरोक्त तिथि को फर्म को भंग कर दिया गया। स्टॉक को बैंक ने ले लिया और उससे रु० 20,000 वसूल हुए। बैंक ने अपना ओवरड्राफ्ट तथा उस पर देय ब्याज वसूल करने के बाद शेष रु० 4,000 वापस कर दिये। मशीनरी को रु० 24,000 में बेच दिया तथा देनदारों से केवल रु० 14,000 वसूल हुए। ऋण का रु० 1,000 देय ब्याज सहित, पूर्ण भुगतान कर दिया गया। विभिन्न लेनदारों को 10% छूट लेकर निपटाया गया। वसूली करने का खर्च रु० 300 आया जिसे X ने दिया। Z दिवालिया हो गया तथा उसकी निजी सम्पत्ति से केवल रु० 950 वसूल किए जा सके। 'गार्नर *बनाम* मरे' लागू करते हुए, वसूली खाता, साझेदारों के पूंजी खाते तथा बैंक खाता तैयार कीजिये। 15

(c) Write a short note on 'proportionate capital method of piecemeal distribution'.

'टुकडे-टुकड़े वितरण की आनुपातिक पूंजी पद्धति' पर संक्षिप्त नोट लिखिये। 5